• गड़ामोड़ा में...

युवक से मारपीट

सुंदरनगर : किरतपुर-मनाली फोरलेन पर गड़ामोड़ा स्थित टोल प्लाजा कर्मचारियों द्वारा मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि टोल प्लाजा कर्मचारियों ने उपमंडल सुंदरनगर के गांव बुराहली निवासी 24 वर्षीय युवक की आंख पर लोहे के कड़े से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया है। इससे युवक की बाई आंख पूरी तरह से खराब हो गई है और युवक सिविल अस्पताल सुंदरनगर में उपचाराधीन है।

पीड़ित देवराज पुत्र बसंता राम निवासी गांव बुराहली, घांघणु तहसील सुंदरनगर और उसके बड़े भाई रविंद्र कुमार ने कहा कि बीते 6 मई को सुबह 2:30 से 3:00 बजे के बीच जब दोनों अपने ट्रक (एचपी-65-बी-5067) पर दिल्ली से कुछ सब्जी लेकर जा रहे थे। इसी दौरान जब वह किरतपुर-मनाली फोरलेन पर गड़ामोड़ टोल प्लाजा पर कर्मी ओवरलोडिंग को लेकर 1030 रूपये मांगने लगा। इसके बाद पीड़ित और उसके भाई ने उनके ट्रक का निर्धारित टोल 515 रूपये कटवा दिया। टोल कर्मी कहने लगा कि उनकी गाड़ी ओवरलोड है, जबकि उन्होंने पहले ही उसे कम वजन की रसीद दिखा दी थी। उन्होंने कहा कि ट्रक में मौजूद सब्जियां खराब होने के कारण बार-बार टोल खोलने का आग्रह करते रहे। लेकिन टोल कर्मचारियों ने उनकी एक नहीं सुनी। पीड़ित के भाई ने कहा कि मौके पर जाम लगने की वजह से उसके साथ दूसरा टोल कर्मचारी काफी गुस्से में आया और उसने बाजू से कड़ा निकाला तथा देवराज की बाई आंख पर मार दिया। इसके अलावा दोनों टोल प्लाजा कर्मी कहने लगे कि आज दोनों को जान से खत्म कर देंगे तथा उनके साथ गालीगलौज करने लगे। मंगलवार को पीड़ित देवराज ने कहा कि कड़े से मारने के कारण उसे दिखना बंद हो गया तथा दोनों भाई मौके से अपनी जान बचाकर बड़ी मुश्किल से निकल गए। इसके उपरांत दोनों सिविल अस्पताल सुंदरनगर पहुंचे।

देवराज को आई गंभीर चोट के कारण उसे मेडिकल कॉलेज नेरचौक रेफर कर दिया गया। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज नेरचौक में डॉक्टर ने बताया कि उसकी बाई आंख पूरी तरह से खराब है तथा इससे जीवनभर कुछ भी दिखाई नहीं देगा। पीड़ित ने मामले की शिकायत थाना प्रभारी पंजाब रूपनगर, एसपी रूपनगर और एसपी मंडी को ई-मेल के माध्यम से टोल कर्मियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए शिकायत प्रेषित कर दी है। वहीं मौजूदा समय में पीड़ित का उपचार सिविल अस्पताल सुंदरनगर में चल रहा है।

• उपलब्धि...

हिमाचली चेरी की बढ़ी मांग...

शिमला : देश के बड़े महानगरों मुंबई, कोलकाता और बंगलूरू के लिए हिमाचल की चेरी की सप्लाई कार्गो सेवा के जरिये शुरू हो गई है। चेरी को पिकअप के जरिये चंडीगढ़ तक पहुंचाया जा रहा है। इसके बाद हवाई मार्ग से महानगरों में सप्लाई पहुंचाई जा रही है। राजधानी शिमला की ढली सब्जी मंडी में चेरी के कारोबार ने जोर पकड़ लिया है। बागवानों को इसके अच्छे दाम भी मिल रहे हैं। ढली सब्जी मंडी में कोटगढ़, कुमारसैन और ननखड़ी से चेरी की खेप पहुंच रही है। बुधवार को मंडी में चेरी का एक बॉक्स 200 से 600 रुपये में बिका। एक बॉक्स में एक किलो चेरी आती है। हालांकि, पहले फसल शिमला की लोकल मार्केट में ही खप जाती थी, लेकिन अब महानगरों से हिमाचल के चेरी की मांग आ रही है। ऐसे में बाहरी मंडियों में भी इसे हवाई सेवा (कार्गो) से भेजना शुरू कर दिया गया है।

इसे हवाई सेवा के माध्यम से भेजने का मुख्य उद्देश्य इसकी गुणवत्ता को बरकरार रखना होता है। चेरी नाजुक फल होता है, हल्का सा दाग पड़ने पर भी यह जल्दी खराब हो जाता है। हवाई सेवा के जरिये चेरी बिना खराब हुए बाहरी राज्यों में पहुंच जाती है। हिमाचल में बागवानों का रुझान चेरी की फसल की ओर बढ़ रहा है। सेब के साथ-साथ अब चेरी भी बागवान के बागीचों को तैयार कर रहे हैं। सेब की तुलना में चेरी की खेती की लागत कम है और इसकी फसल जल्द तैयार हो जाती है। ढली मंडी के कुशान ट्रेडर्स केटी 46 नंबर फर्म के संचालक यशवंत शर्मा ने बताया कि इस बार शिमला में चेरी की फसल अच्छी है। बागवानों को दाम भी अच्छे मिल रहें हैं। इन्होंने बताया कि एक दिन में मंडी में करीब 1500 से दो हजार चेरी के बॉक्स पहुंच रहे हैं।

ढली सब्जी मंडी आढ़ती एसोसिएशन के सचिव बिट्टू वर्मा ने बताया कि पहले मंडी से चंडीगढ़ तक चेरी के बॉक्स को पिकअप में लोड कर भेजे जा रहे हैं। फिर वहां से हवाई मार्ग से मुंबई, कोलकाता, अमृतसर और बंगलूरू को इसकी सप्लाई भेजी जा रही है। आने वाले दिनों में पुणे, महाराष्ट्र और गुजरात में भी इसकी सप्लाई भेजी जाएगी।

निर्दलीय विधायकों को राहत नहीं

न्यायाधीश ज्योत्सना रेवाल दुआ का मत था कि कोर्ट इस मामले में स्पीकर को दो सप्ताह में केस निपटाने की डायरेक्शन दे सकता है। दोनों न्यायाधीश का अलग–अलग व्यू की वजह से अब तीसरे न्यायाधीश के पास केस लगेगा।

यही मामला अब स्पीकर कुलदीप सिंह पठानिया के पास भी विचाराधीन है। ऐसे में स्पीकर भी इस मामले में अपना फैसला ले सकते हैं...

• संजू/शिमला

हिमाचल के तीन निर्दलीय विधायकों को फिलहाल हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली है। इनकी याचिका पर हाईकोर्ट की डबल बेंच ने अपना फैसला सुना दिया है। इसमें विधायकों की उस अर्जी को कोर्ट ने खारिज किया, जिसमें तीनों निर्दलीय विधायकों ने कोर्ट द्वारा ही इस्तीफा स्वीकार करने का आग्रह किया था। यह मामला मुख्य न्यायाधीश एमएस रामचंद्र राव और ज्योत्सना रेवाल दुआ की बेंच ने सुना। मगर दोनों न्यायाधीश का इस मामले में डॉयसेंटिंग व्यू (अलग-अलग विचार) आया है। एडवोकेट जनरल अनूप रत्न ने बताया कि डॉयसेंटिंग व्यू की वजह से अब यह मामला तीसरी बेंच को रेफर होगा और दोबारा से सुना जाएगा।

मुख्य न्यायाधीश का मत था कि स्पीकर का पद संवैधानिक पद है। इस कारण हाईकोर्ट इस गरिमामय पद को डायरेक्शन नहीं दे सकता कि इस्तीफा स्वीकार करें? कब और कैसे स्वीकार करें?

वहीं न्यायाधीश ज्योत्सना रेवाल दुआ का मत था कि कोर्ट इस मामले में स्पीकर को दो सप्ताह में केस निपटाने की डायरेक्शन दे सकता है। दोनों न्यायाधीश का अलग–अलग व्यू की वजह से अब तीसरे न्यायाधीश के पास केस लगेगा। यही मामला अब स्पीकर कुलदीप सिंह पठानिया के पास भी विचाराधीन है। ऐसे में स्पीकर भी इस मामले में अपना फैसला ले सकते हैं। स्पीकर कुलदीप सिंह पठानिया के पास इस केस से जुड़ी दो याचिका लंबित है।

दरअसल, निर्दलीय देहरा से होशियार सिंह, नालागढ़ से केएल ठाकुर और हमीरपुर से आशीष शर्मा ने हिमाचल हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें कहा गया कि उन्होंने अपनी इच्छा से इस्तीफा दिया है। इसलिए उनका इस्तीफा स्वीकार किया जाए। निर्दलीय विधायकों ने बीते 22 मार्च को अपने पद से इस्तीफा दिया था। मगर अब तक इनका इस्तीफा स्पीकर नहीं किया और 23 मार्च को उन्होंने दिल्ली में बीजेपी ज्वाइन कर ली थी।

वहीं, स्पीकर ने दो मंत्रियों की शिकायत पर निर्दलीय विधायकों को कारण बताओ नोटिस दिया था, जिसका जवाब बीते 10 अप्रैल को तीनों विधायक स्पीकर को दे चुके हैं। इस नोटिस में विधायकों से पूछा गया कि समय से पहले रिजाइन क्यों किया? क्या आप पर किसी प्रकार का कोई दबाव था।

दरअसल, राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी और शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने स्पीकर के पास शिकायत की थी, जिसमें शंका जाहिर की थी कि 5 साल के लिए चुने गए विधायकों ने आखिर 15 महीने में ही रिजाइन क्यों किया? साथ ही शिकायत में कहा कि BJP ने इन्हें हेलिकॉप्टर से शिमला पहुंचाया। यही नहीं इस्तीफा देते वक्त भाजपा नेता भी साथ मौजूद रहे। क्या इन पर कोई दबाव था? इनकी शिकायत पर ही स्पीकर ने नोटिस दिया था। मगर इस पर स्पीकर ने मामला में कोर्ट में विचाराधीन होने की वजह से फैसला रिजर्व रखा है।

रावी नदी में गिरा ट्रक

चंबा : चंबा-भरमौर नेशनल हाईवे पर कंपनी का सीमेंट से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर रावी नदी में गिरने से चालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान योग राज पुत्र धनी राम निवासी गांव तराला चंबा के रूप में हुई हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सीविल अस्पताल भरमौर पहुंचाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार कंपनी का सीमेंट से भरा ट्रक चंबा से खड़ामुख की तरफ जा रहा था। ढकोग बाजार के पीछे पहुंचने पर अचानक ट्रक अनियंत्रित होकर रावी नदी में जा गिरा। लेकिन ट्रक गिरने का किसी को कोई सुराग नहीं लगा। अल सुबह जब लोगों ने रावी नदी में ट्रक गिरा देखा तो तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव ने बताया कि ट्रक हादसे में चालक की मौत हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

• दौरा...

राष्ट्रपति ने बच्चों में बांटी चॉकलेट...

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ग्रीष्मकालीन शिमला प्रवास पर हैं। मंगलवार शाम उन्होंने मालरोड और रिज मैदान का भ्रमण किया। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने राष्ट्रपति का स्वागत किया। राष्ट्रपति के साथ तस्वीर लेने के लिए लोग उत्साहित नजर आये। उन्होंने लोगों का अभिनंदन स्वीकार कर बच्चों को दुलार किया। राष्ट्रपति ने बच्चों को चॉकलेट भी बांटी। उन्होंने मालरोड पर प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की ओर से उत्पादों की खरीदारी के बाद राष्ट्रपति ने यूपीआई से एक हजार रुपये का पेमेंट भी किया। भ्रमण के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिमला की ऐतिहासिक इमारत की जानकारी हासिल की। राष्ट्रपति को शिमला के इतिहास से अवगत कराया गया। प्रतिमाओं और ऐतिहासिक स्थानों के बारे में भी बताया गया। राष्ट्रपति ने शिमला स्कैंडल पॉइंट और रिज मैदान की जानकारी हासिल की।

• नौ सैंपल संदिग्ध और 14 फेल...

हमीरपुर : सीएमओ कार्यालय हमीरपुर में सीएमओ हमीरपुर डॉ. आरके अग्निहोत्री की अध्यक्षता में मासिक बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान सीएमओ ने सभी स्वास्थ्य खंडों के अधिकारियों को डायरिया से बचने के लिए उपयुक्त प्रबंध करने के आदेश दिए। सीएमओ आरके अग्निहोत्री कहा कि स्वास्थ्य विभाग ने जिला भर से पानी के 43 सैंपल विभिन्न प्राकृतिक जल स्त्रोतों से जांच के लिए भेजे थे। जिसमें से नौ संदिग्ध हैं और 14 सैंपल फेल हैं।